

विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का सम्मेलन: CM योगी बोले- न्याय नागरिक की सुरक्षा व उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए

राजधानी में विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया।इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत हजारों वर्षों से दुनिया को एक परिवार मानता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया आरक्षण खत्म करने का आरोप, कहा-आदिवासी संकट पैदा करने योजना बना रही

कांग्रेस ने शुक्रवार को भाजपा पर रिजर्वेशन खत्म करने और आदिवासी संकट पैदा करने के लिए एक सिस्टमैटिक प्लान पर काम करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने इस बात की उच्च स्तरीय जांच की मांग की कि कोटा होने के बावजूद मध्य प्रदेश सिविल जज परीक्षा 2022 में किसी भी आदिवासी का सिलेक्शन क्यों नहीं हुआ? पार्टी ने यह भी मांग की कि 2022 सिविल जज परीक्षा को रद्द किया जाए।आदिवासी कांग्रेस के चेयरमैन विक्रान्त भूरिया ने भाजपा पर उनकी जमीन छीनकर और न्याय से वंचित रखकर देश में आदिवासी संकट पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने आदिवासियों के लिए एक माइग्रेंट पॉलिसी बनाने की मांग की।कांग्रेस ने कहा कि भाजपा सरकार पूरे देश में ग्रेट इंडियन ट्राइबल क्राइसिस को बढ़ावा दे रही है। भाजपा के राज में आदिवासी समुदाय तबाह हो रहे हैं। आदिवासी लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है और वे अपनी पहचान बचाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। आदिवासी समुदायों की जमीनें जब्त की जा रही हैं। भूरिया ने कहा, हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि मध्य प्रदेश में 2022 सिविल जज एग्जाम के नतीजों में रिजर्वेशन के बावजूद आदिवासी कैंडिडेट का सिलेक्शन जीरो है।



की वास्तविक समस्या एक-दूसरे के साथ डायलॉग को बाधित करना है। यह सम्मेलन एक-दूसरे के साथ डायलॉग का साधन है। कुछ समय पहले यूएन ने दुनिया के सामने 16 गोल रखे थे। उसमें शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता हड़पने की होड़-उन्होंने कहा कि शिक्षा में इस बात का ध्यान रखना होगा कि बच्चे बस्ते के बोझ से बोझिल न हों। दुनिया में जहां अशांति

और अराजकता है। जहां वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर शिक्षा, विकास, स्वास्थ्य की बात अपने आप में एक बेमानी सी दिखती है। इसके लेकर हम सभी को यह सोचना चाहिए कि किस स्तर तक की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है। हम भी उसमें सहभागी बन सकते हैं। सीएम ने आगे कहा कि हम अक्सर इस बात को देखते हैं कि जलवायु परिवर्तन और

उससे उत्पन्न होने वाले संकट भी हमारे सामने एक नई चुनौती हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी जैसी समस्या भी हमारे सामने खड़ी है। ऐसी स्थिति में न्याय, नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून, विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर बोलना चाहिए उन्होंने कहा कि यूएन ने 80 वर्ष पहले कहा था कि दुनिया

को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और जवाबदेह वैश्विक प्रणाली की आवश्यकता है। इस पर आज सोचने की जरूरत है। साइबर क्राइम, अच्छे स्वास्थ्य और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए भारत की उस प्राचीन व्यवस्था पर जरूर ध्यान देना चाहिए, जिस पर हमने पांच अवयव पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि, वायु की उपासना का आधार मान करके इनकी सुरक्षा, संरक्षण को सदैव प्राथमिकता दी। न्याय मानवता की समस्या के समाधान का रास्ता निकाले-अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि आज जब दुनियाभर के न्यायविद एक जगह एकत्र हुए हैं, तो न्याय मानवता की समस्या के समाधान का रास्ता कैसे निकाल सकता है, इस कांफ्रेंस के माध्यम से दुनियाभर में यह संदेश देने की आवश्यकता है। न्याय न केवल समता का बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए।

एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे, अमित शाह बोले- SIR लोकतंत्र को बचाने का अभियान

केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्षी गठबंधन में शामिल पार्टियों का नाम लिए बिना कहा कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को निकालने के इस अभियान को कमजोर करना चाहते हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 61वें स्थापना दिवस (रेजिंग डे) समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे। यहां बीएसएफ के जवानों को संबोधित करते हुए शाह ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उनके योगदान की तारीफ की। साथ ही



नागरिकों को 12 राज्यों में मतदाता सूची में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को इसका पूरी तरह समर्थन करना चाहिए, क्योंकि यह प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए अहम है। इसके जरिए हर एक घुसपैठिए

को मतदाता सूची से बाहर किया जाएगा। शाह ने संबोधन में कहा, मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश में से एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे। ये हमारा प्रण है। एसआईआर की प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए है।केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्षी गठबंधन में शामिल पार्टियों का नाम लिए बिना कहा कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को निकालने के इस अभियान को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि जनता ने इस मुद्दे पर एनडीए

को बहुमत दिया है। शाह ने कहा, ऋद्धिभागीपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग की मतदाता सूची को सही करने के लिए लाई गई एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रही है। उन्होंने आगे कहा, मैं आज देशवासियों से अपील करता हूं कि वे खुलकर और पूरी तरह से चुनाव आयोग द्वारा चलाई जा रही एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन करें। मैं घुसपैठियों का बचाव कर रहे राजनीतिक दलों को चेतावनी देना चाहता हूं कि बिहार चुनाव पूरे देश के जनादेश की तरह हैं।

यह भारत की विकसित होती चेतना का प्रमाण, नेहरू के लेखों के डिजिटल आर्काइव के उद्घाटन पर राहुल गांधी

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निबंध, लेखों, पत्रों, भाषणों और अन्य लेखन कार्यों का डिजिटल आर्काइव लॉन्च किया गया है। इनमें पंडित नेहरू के व्यक्तिगत लेखन अब निशुल्क और आसानी से खोजे जा सकते हैं। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू के लेखन के व्यापक डिजिटल आर्काइव के उद्घाटन की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक ताकतवर मार्गदर्शक है। राहुल ने जोर देकर कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री के लेखन केवल ऐतिहासिक



दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की विकसित होती अंतरात्मा का प्रमाण हैं। इसमें देश के साहस, दुविधाओं और आकांक्षाओं की झलक मिलती है। डिजिटल आर्काइव की अहमियत को लेकर अपने विचार रखते हुए

राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू के लेखन आधुनिक भारत को आकार देने वाली चुनौतियों और सफलताओं पर गहरी दृष्टि प्रदान करते हैं। उन्होंने लिखा, नेहरू के लेखन सिर्फ इतिहास नहीं हैं, वे भारत की विकसित होती

अंतरात्मा का लेखा-जोखा हैं। हमारी लोकतांत्रिक यात्रा, उसका साहस, उसकी चिंताएं, उसके सपनों को समझने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनके शब्द एक शक्तिशाली मार्गदर्शक हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत

अब सभी के लिए खुली, खोजने लायक और निशुल्क उपलब्ध है। यह लगातार बढ़ती रहेगी। गौरतलब है कि नेहरू के निबंध, लेखों, पत्रों, भाषणों और अन्य लेखन कार्यों का डिजिटल आर्काइव लॉन्च किया गया है। इनमें पंडित नेहरू के व्यक्तिगत लेखन अब निशुल्क और आसानी से खोजे जा सकते हैं। इससे शोधकर्ताओं, छात्रों और आम लोगों को देश के पहले प्रधानमंत्री के विचारों को समझने का मौका मिलेगा। आर्काइव को समय-समय पर नए दस्तावेजों, लेखों और अन्य सामग्री के जरिए बढ़ाया जाता रहेगा। राहुल गांधी ने इस बात पर संतोष जाहिर किया कि नेहरू की

वैचारिक और राजनीतिक विरासत अब बिना किसी रोक-टोक के जनता के लिए उपलब्ध है। उन्होंने इस पहल को ऐतिहासिक साक्षरता और लोकतांत्रिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम करार दिया, जो नागरिकों को भारत के निर्माण के आधारभूत विचारों से परिचित कराएगा। बता दें कि कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कल घोषणा की थी कि जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड ने एक स्मार्टफोन-हितैषी वेबसाइट nehruarchive.in लॉन्च की है। उन्होंने बताया कि यह डिजिटल आर्काइव 'सेलेक्टेड

वर्क्स ऑफ जवाहरलाल नेहरू' की 1903 से 1964 तक की 100 प्रकाशित खंडों पर आधारित है। रमेश के मुताबिक, शुरुआत में इसमें 75,000 से अधिक पन्ने और 3,000 से अधिक चित्र शामिल किए गए हैं। यह आर्काइव लगातार बढ़ाया जाता रहेगा। इसमें और ज्यादा चैप्टर, फोटो, ऑडियो और फिल्मों जोड़ी जाएंगी। दुनिया भर के आर्काइव्स से नेहरू के पत्र और दस्तावेज हासिल करने के लिए संपर्क किया जा रहा है। पंडित नेहरू की लिखी गई और उनके जीवनकाल में उन पर आधारित किताबों को भी आर्काइव में शामिल किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

Geographical Partnership

Himachal Pradesh, standing up for self-reliance on its land, has once again made every effort to open the eyes of the central government and the avenues for regional cooperation. At the 32nd meeting of the Northern Regional Council in Faridabad, Haryana, the map of Himachal Pradesh was once again revealed, and the rights of Punjab reorganization were discussed, and the language of justice was contested. The breath of survival lies in the water that flows from Himachal's heritage and affirms it for the nation. Thus, even though Punjab may have been divided linguistically into the mountainous regions of Haryana and Himachal, the sharing of the water cycle, climate, and geographical harmony that sustains life remains a necessity in the arms of a united Punjab. When Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu brings up Himachal's 7.19 percent share in the Punjab reorganization, six decades of injustice are brought to the fore. Ultimately, when it comes to matters of life and death, any state's desire is to find a just solution to its economic problems. This wasn't merely a decision to divide Punjab or hand over the mountainous region to Himachal, but rather a decision to give Himachal its rightful share in all its assets. The irony is that we've spent the last sixty years creating political boundaries between Upper Himachal and Lower Himachal, which had been separated from Punjab. We couldn't even create a Himachali language amidst the tangle of dialects, so how could we have self-respectfully empowered the state with the 7.19 percent share from Punjab? For us, the BBMB was a legacy, but we didn't advocate for a 50% share in the royalties from free electricity. If the state had been plunged into the pain of displacement from the Pong Dam, the economic benefits generated by this project would have furthered our development. New Tehri was established as a result of the Tehri Dam project, but we couldn't establish a city for rehabilitation on the banks of the Pong River. This is because our rulers initially either looked down on the areas acquired from Punjab with contempt or sat comfortably in their secretariat chairs. No one considered how the state could forget Chandigarh, the capital city where songs in Punjabi, Haryanvi, and Kangri dialects once filled the city's gardens with humming sounds, or the museums with Kangra paintings that brought smiles. Therefore, if the 7.19 percent measurement had been implemented, how many sectors would have become hubs of our amenities today? Did we request space for a Himachal Road Transport Corporation depot in Chandigarh or extend similar support to regional partnerships? Ultimately, whether it's about tickets or religious tourism, a joint strategy is needed between Himachal and Haryana, Punjab, Uttarakhand, Jammu and Kashmir, and Chandigarh. Sadly, despite their willingness, these two states failed to launch the Anandpur Sahib-Nainadevi ropeway project. Trust and cooperation must continue. Himachal should have told neighboring states, "Show us your fields, and we'll provide you with water." The issues of transportation and tourism are so entangled in regional agreements that social media often echoes with slogans of mutual hostility. Even today, the Punjab government's political rhetoric swirls over ownership rights and water cess on the Shanan Power Project, while regional cooperation can control the drug, sand, gravel, and transportation mafia. If Himachal's water, environment, forests, and human resources contribute to the regional economy, then the state's consumer community, supported by rising regional production rates, recognizes this with its per capita income. While Himachali shopping reaches Chandigarh, Ambala, Ludhiana, Pathankot, Hoshiarpur, or Amritsar.

Developed countries are exacerbating the climate crisis; we must be prepared to meet the challenges.

The gist of this COP conference so far is that, amid the transition period to address the challenge of climate change, rich countries are shirking their essential role under the shadow of trade wars. Meanwhile, India has shown what an honest path looks like. The question is whether the developed world is ready to embrace it. The insensitivity of developed countries is exposed. India's emphasis on climate justice. The COP 30 conference held in Belém, Brazil, has only exposed the profound insensitivity of developed countries on climate change. Global efforts to address the challenge of climate change have been underway for nearly three decades. In this context, the COP conferences, organized under the initiative of the United Nations, are failing to fulfill their role. These annual conferences have become a platform for contradictions. Developed countries, historically the world's largest polluters, have high expectations from the rest of the world to improve the situation, but are not willing to provide the necessary resources to meet those expectations. Developing countries say they need \$1.3 trillion annually. Developed countries have pledged only \$300 billion by 2035. Most of this will be provided as loans. This will naturally deepen the impasse. The Belém Conference demonstrated that the UN system is being burdened by procedures and consensus rules that allow some countries to act arbitrarily. In the European Union, instead of discussing the huge gap between climate change promises and their fulfillment, it focused more on justifying its Carbon Border Adjustment Mechanism (CBAM). CBAM is like a green tariff for developing countries, primarily designed to protect European industries from global competition. All major exporters have warned that unilateral measures will harm the entire system. Despite this, the EU continues to prioritize protectionism. US tariff policies are already undermining global confidence. Climate diplomacy is now colliding with trade and geopolitics. In the current landscape of developed countries' duplicity and geopolitical instability, India is charting a serious, equitable, and principled path. The primary focus is its emphasis on equity and climate justice. India reminded the world that the Paris Agreement cannot be abruptly altered. India reiterated that there is a vast disparity in the levels of development between developed and developing countries, and that weakening the shared responsibility effort would undermine trust. The demand is simple: countries that already pollute heavily should reduce emissions and provide the necessary support to developing countries. India has emphasized that developed countries should reach net zero emissions well before 2050 to create a solid foundation for developing economies. Without this, the global climate framework becomes a vehicle for increasing inequality. India has clearly stated that the financial resources being provided are not a charity but a legal obligation under Article 9.1. It has demanded a universally agreed definition of climate finance, a 15-fold increase in adaptation finance, and predictable concessional resource flows. This will require billions, not trillions, of dollars. In this regard, India has also exposed the fallacy of relying on private finance, loans, and large packages. Such measures only exacerbate the debt crisis. Therefore, genuine grants should be prioritized. The world cannot simply expect developing countries to transform their energy systems and make agriculture resilient. In the midst of all this, developing countries are stuck paying high interest on expensive loans. India's view is that technology access should be a right, not a bargaining chip. The technologies needed to address the challenge of climate change are kept out of reach for developing countries under the guise of intellectual property rights. Therefore, intellectual property and market barriers must be removed. This is a situation where solutions already exist, but blocking their availability only exacerbates the problem. This is nothing short of negligence. India also pointed out that unilateral climate tariffs, such as those imposed by Seabeam, not only violate Article 3.5 but also turn climate policy into a tool for protectionism. India categorically cautioned that such measures undermine the spirit of multilateralism and target countries that require policy interventions for sustainable development. India's commitment to addressing the escalating climate change problem is unmatched. Its achievements build trust. Data shows that since 2005, India has reduced its emission intensity by more than 36 percent and achieved its 2030 target for non-fossil fuel capacity five years ahead of schedule. India has developed over 256 gigawatts of clean energy generation capacity and has launched significant initiatives in hydrogen, nuclear energy, and biofuels. Through community participation, India has been able to achieve the goal of connecting over two billion people to the brink of extinction. More trees have been planted. It is also involved in the leadership of several global forums such as the International Solar Alliance. The gist of this COP conference so far is that, amid the transition period to address the challenge of climate change, rich countries are shirking their essential role under the shadow of trade wars. Meanwhile, India has shown what an honest path looks like. The question is whether the developed world is ready to adopt it.

The fight against terrorism has become more difficult, signaling a greater danger.

Two clerics have been found involved in the Faridabad terrorist module. If those who preach religious faith begin to preach Jihadi terrorism, then the difficulty of fighting terrorism can be better understood. This fight is going to be even more difficult because voices are emerging that doctors became terrorists because Muslims are not treated fairly. This voice is not limited to a few leaders; it has been the voice of many leaders for a long time. Such voices only provide those who follow the path of terrorism with an opportunity to justify themselves. Al Falah University is under suspicion. The way the Faridabad terrorist module of Jihadi doctors was exposed and still managed to kill so many people, it is natural to debate where the police and intelligence agencies failed. This failure led to the deaths of 15 people in a car bomb blast near the Red Fort in Delhi and nine people in a police station in Srinagar. In both places, the same explosives, which the terrorist module had stored in Faridabad, wreaked havoc for different reasons. This terrorist module could have wreaked even more havoc if the Srinagar police had not taken seriously the posters put up by Jaish-e-Mohammed supporters in the city. These posters warned the people of Kashmir against assisting security agencies. Such posters are common in Kashmir, but the police at Srinagar's Nowgam police station took them seriously. They first apprehended some stone-pelting supporters of the terrorists. Through them, the police reached a cleric who was preaching jihad. It was only after his interrogation that the Faridabad terrorist module was busted. Explosives and deadly weapons were recovered from the terrorists involved. Had the Srinagar police not taken seriously the posters put up in their area, the jihadi doctors might have succeeded in carrying out their plot to launch large-scale attacks on multiple targets simultaneously. The extent of their nefarious intentions is evident from the video of Umar, the religiously fanatical terrorist who detonated a car bomb near the Red Fort, in which he can be heard justifying suicide attacks. The Red Fort terror attack once again demonstrates that such attacks are possible when terrorists receive local shelter and support. The Pahalgam terror attack was also a prime example. Here, terrorists from Pakistan were successful in wreaking havoc because they were sheltered by some local residents. Now, there is no doubt that the doctor terrorists were able to stockpile deadly explosives due to the protection and support they received from a cleric and several others in Faridabad. If Faridabad's Al Falah University is being seen as a haven for jihadist elements, it has no one to blame but itself. Two of the doctor terrorists who turned out to be terrorists had previously been dismissed from their jobs: one on the serious charge of openly supporting terrorism, and the other for prolonged absences without notice. Only Al Falah University can explain why it appointed doctors with such questionable pasts. If doctors become terrorists and easily make a university their base, it means that the system that nurtures jihadist terrorism has deeply entrenched itself. Following the suspicion surrounding Al Falah University, it has also come to light that its founding Vice-Chancellor has a criminal record and served three years in prison for fraud. The large number of Kashmiri doctors appointed to this university also raises questions. After all, it is not a renowned university. It cannot be said that Kashmiri doctors were unable to find jobs elsewhere and were forced to turn to Al Falah. It is quite possible that Al Falah became the university of choice for doctors with jihadist intentions because they found it easier to carry out their activities there. One reason for suspicion about this university's intentions is its false claim of being accredited by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC). It's clear that Al Falah University wasn't being properly monitored to ensure its operations were in accordance with established regulations. If higher education institutions become hideouts for terrorists due to this lack of oversight, then it should be understood that the fight against jihadist terrorism will become even more difficult. This fight already appears difficult because a group of doctors chose to become jihadists. Is it possible to de-radicalize doctors or other highly educated youth willing to follow the path of terrorism? Two clerics have also been found involved in the Faridabad terrorist module. If those who teach religious faith begin to preach jihadist terrorism, then the difficulty of fighting terrorism can be better understood. This fight will become even more difficult because voices are emerging that doctors became terrorists because Muslims are not treated fairly. This voice is not just held by a few leaders; it has been the voice of many leaders for a long time. Such voices only give those who follow the path of terrorism an opportunity to prove themselves right.

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व संग्रह की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

अधिशासी अभियंता सिंचाई और अधिशासी अभियंता नलकूप का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण नोटिस जारी, बैठक में बिना पूर्व सूचना के गैरहाजिर रहने पर हुई कार्रवाई। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। और अधिशासी अभियंता नलकूप अधीनस्थ अधिकारी को बैठक में नाराजगी जताते हुए अधिशासी अभियंता नलकूप का वेतन रोकते लिए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं कहा कि विभागीय कार्यों में बिना पूर्व सूचना के गैर हाजिर रहने कार्रवाई होगी। समीक्षा बैठक के मंडी, बाट माप, श्रम, परिवहन, एवं गए कर संग्रह/ कार्रवाई की प्रगति उन्होंने एआईजी स्टॉप से स्टॉप शुल्क ली साथ ही जीएसटी विभाग के विभागीय नियमों का पालन कराने के लिए सघन चेकिंग अभियान को



समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारी को विगत एक माह में निरीक्षण के दौरान की गई कार्रवाई से संबंधित रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए साथ ही सहायक श्रमायुक्त को निर्देशित किया कि श्रम विभाग के अंतर्गत निर्धारित नियमों और शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि किसी भी व्यक्ति का शोषण नहीं होना चाहिए। परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डग्गामार वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहनी चाहिए साथ ही बार-बार परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले डग्गामार वाहनों का परमिट निरस्त करने की भी कार्रवाई की जाए। एआरटीओ ने बताया कि विगत माह में 158 डग्गामार वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। गन्ना विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट तौर पर निर्देश दिए की गन्ना की तौल के लिए बनाए गए केंद्रों का निरीक्षण कर लिया जाए साथ ही यह सुनिश्चित कराएं कि वहां किसानों सुविधा और सुरक्षा के दृष्टिगत सभी जरूरी संसाधनों की अनिवार्य रूप से उपलब्धता होनी चाहिए उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना संबंधित विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती संगीता गौतम, अपर जिलाधिकारी नगर सुश्री ज्योति सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहे।

मुरादाबाद मानसरोवर लूट: पालतु कुत्ता भी ले गए लुटेरे, कई जगह खून, सच्चाई गार्ड रूम और बेसमेंट के बीच ही छिपी

मुरादाबाद की पांश कॉलोनी मानसरोवर में लुटेरों ने निर्यातक अरविंद वडेरा की कोठी में धावा बोल दिया। ड्यूटी पर तैनात गार्ड कमलेश पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। उसकी उंगली काट दी। उसे बेसमेंट के कमरे में बंद कर घर में लूटपाट की। मौका ए वारदात संघर्ष की दास्तान बयां कर रहा है। गार्ड रूम से लेकर बेसमेंट के कमरे तक खून फैला मिला है। इसके अलावा खिड़की का शीशा भी टूटा मिला है।घायल गार्ड ने भी पूछताछ में बताया कि लुटेरों ने उस पर सोते समय हमला किया। उसने खुद को बचाने की कोशिश की तो उसके एक हाथ की उंगली जख्मी हो गई। उसने बचने के लिए संघर्ष भी किया लेकिन लुटेरों की संख्या ज्यादा होने के कारण वह ज्यादा देर उनसे लड़ नहीं सका। इसके बाद लुटेरों ने उसे कमरे में बंद कर दिया था।देर रात दो बजे से लेकर सुबह नौ बजे तक वह कमरे में बंद ही रहा। जिस कारण उसकी में बदमाशों के भी घायल होने की आशंका जताई गई उससे तो नहीं लग रहा है कि गार्ड की जख्मी उंगली से भी घायल हुआ है। पुलिस ने मौके से खून के नमूने भी ने अपने घर में दो कुत्ते पाल रखे हैं जिन्हें वह सुबह के बाद से एक कुत्ता नहीं मिल रहा है। माना जा रहा है गए हैं। चालक की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज एसपी के वाहन चालक विनोद की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज जुटी हैं। मझोला थाने की पुलिस के अलावा एसओजी, घंटे तक कोठी में रहे बदमाश, डीवीआर भी ले गए में लूट की दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया है, अफसरों की कोठियां हैं। सीसीटीवी से कवर इन कोठियों की देर रात 2-08 बजे एक लुटेरा पैदल निर्यातक अरविंद ठीक दो मिनट बाद स्कूटी सवार तीन लुटेरे और नंबर दो व आठ फिट ऊंची दीवार पर चढ़कर अंदर बजे बाहर निकले, इन तीनों के हाथ में एक एक गते का डिब्बा यानी कुल तीन डिब्बे थे। लुटेरों की ये गतिविधि निर्यातक की कोठी के सामने मदान हाउस में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। पुलिस ने इसकी फुटेज अपने कब्जे में ले ली है।घटना की जानकारी मिलने पर मझोला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर बुला ली गई। घायल गार्ड को अस्पताल भेजने के बाद टीम ने कोठी में जांच पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी को चेक किया तो कोठी से डीवीआर गायब मिली। इसके बाद टीम ने आस पड़ोस के मकानों में लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली। मदान हाउस में लगे कैमरों की फुटेज में पुलिस को अहम सुराग हाथ लग गए।जिसमें देखा गया है लुटेरे दूसरे गेट पर चढ़कर कोठी में घुसे थे। इसके बाद उन्होंने पहले गेट के पास गार्ड रूम में सो रहे गार्ड को अपने कब्जे में लेकर उसे बेसमेंट में बंद कर दिया था। एक घंटे बाद करीब तीन बजे लुटेरे कोठी से निकलने शुरू होते हैं। लुटेरों ने घर लूटे गए सामान को गते के बड़े डिब्बों में पैक कर लिया था। इन्हीं गत्तों के डिब्बों को लेकर लग दूसरे गेट से बाहर निकलते दिख रहे हैं। लुटेरों ने तीनों डिब्बों को अपने बाहर खड़े चौथे साथी की मदद से बाहर निकाल लिया और ले गए।निर्यातक के घर में पीतल के आइटमों को पैक करने का सामान पहले ही मौजूद था, जिसका इस्तेमाल लुटेरों ने लूटे गए सामान को पैक करने में किया। अब पुलिस इस फुटेज के जरिए लुटेरों की तलाश में जुट गई है। 07 कर्मचारी तैनात हैं कोठी में सभी के अलग-अलग काम- निर्यातक की कोठी में मिलन विहार निवासी कमलेश के अलावा छह और कर्मचारी तैनात हैं। सभी के काम अलग-अलग हैं। निर्यातक के चालक ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि कमलेश करीब तीन साल से गार्ड है। वह रात आठ से सुबह आठ तक कोठी में तैनात रहता था जबकि सुबह आठ से रात आठ तक मनोहरपुर निवासी तोताराम गार्ड हैं। इन तीनों के अलावा निशा नाम की युवती रहती और वह खाना बनाने का काम करती है के अलावा कुछ कर्मचारी साफ सफाई करने में आते हैं।केरल से लौट रहे निर्यातक - कोठी में लूटपाट की घटना की जानकारी मिलने के बाद निर्यातक अरविंद वडेरा और उनकी पत्नी साधना केरल से लौट रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह मुरादाबाद लौट रहे हैं, अभी एयरपोर्ट पर मौजूद हैं और फ्लाइट में सवार होने वाले हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें मालूम नहीं बदमाश क्या सामान लूटकर ले गए हैं, घर आने के बाद ही पता चल पाएगा कि क्या क्या सामान लुटेरे ले गए हैं।निर्यातक की एक बेटी विदेश दूसरी पंजाब में - निर्यातक अरविंद वडेरा की दो बेटियां निकिता और पलक हैं। दोनों की शादी हो चुकी है, जिसमें एक बेटी यूएस और दूसरी बेटी पंजाब में रहती है। दोनों बेटियों ने भी कर्मचारियों से फोन पर घटना की जानकारी ली है। लुटेरों के नजदीक पहुंची पुलिस- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस लुटेरों के करीब पहुंच गई है। उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर इस घटना का खुलासा किया जा सकता है।खोजी कुत्ता गार्ड रूम और बेसमेंट में घूमकर कोठी से बाहर निकला - इस घटना की सच्चाई गार्ड रूम और बेसमेंट के बीच ही छिपी है क्योंकि पुलिस और फॉरेंसिक टीम के अलावा डॉग एलिस को भी मौके पर बुला गया है। एलिस को लेकर हैंडलर मौके पर पहुंच गए। एलिस गार्ड और बेसमेंट के बीच ही घूमकर कोठी से बाहर निकला और होटल मानसरोवर पैराडाइज के सामने वाली सड़क तक पहुंच गई। सीसीटीवी की फुटेज से भी पुलिस को यह ही संकेत मिले हैं कि बदमाश इसी रास्ते से भागे हैं।



उंगली से खून गया है। पुलिस ने इस घटना कि क्योंकि कोठी में जितना खून मिला है इतना खून निकला है। इसमें कोई बदमाश लिए हैं।कुत्ता भी साथ ले गए लुटेरे निर्यातक और शाम खुद ही टहलाते हैं लेकिन घटना कि शायद लुटेरे एक कुत्ता भी अपने साथ ले सिटी रणविजय सिंह ने बताया कि निर्यातक की गई है। चार टीमें लुटेरों की तलाश में सर्वािलांस सेल समेत चार टीमें लगा दी हैं।एक लुटेरों ने शहर की जिस मानसरोवर कॉलोनी उसमें अधिकतर निर्यातक, कारोबारी और में गार्ड भी तैनात हैं, बावजूद इसके बुधवार वडेरा की कोठी के सामने पहुंचा है। उसके पहुंचे एक-एक करके चार में तीन लुटेरे गेट घुसे। करीब एक घंटे तक अंदर रहे। करीब 3

मुरादाबाद में महिला से सामूहिक दुष्कर्म, भाजपा का मंडल मंत्री गिरफ्तार, नौकरी लगाने के नाम पर किया था छल

महिला से सामूहिक दुष्कर्म में भाजपा नेता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया है। पीड़िता का आरोप था आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर उसके साथ छल किया था। सिविल लाइंस पुलिस ने महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल और एडीजे बरेली को शिकायती पत्र भेजा था। थाने में सामूहिक का केस दर्ज कराया रहा जिसमें आरोप था कि बिजनौर जाते नौकरी लगवाने की बात कही और कुछ दिन बाद ही हरथला में एक मकान में लोग बैठे हुए थे तब सभी लोगों ने युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध जेल भेज दिया जबकि विवेचना में भूदेव और सचिन के नाम निकाल दिए थे कराई। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर भूदेव और सचिन के फिर से नाम में आने को कहा लेकिन भूदेव कोर्ट नहीं पहुंचा इसके बाद कोर्ट ने भूदेव के कोर्ट से वारंट होने पर बुधवार को भूदेव को न्यायालय में पेशी के बाद उसको जेल भेज दिया गया। उधर भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल का कहना कि भूदेव को फंसाया गया है।



पांच माह से फरार चल रहे अगवानपुर मंडल के भाजपा मंडल मंत्री भूदेव सिंह को जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।पीड़ित महिला ने आरोपी की गिरफ्तार छजलैट थानाक्षेत्र के गांव की रहने वाली महिला ने जुलाई 2023 में सिविल लाइंस समय उसकी मुलाकात कोकरपुर निवासी राहुल शर्मा से हुई थी।राहुल ने उसको ले गया। यहां पहले से भाजपा का मंडल मंत्री भूदेव सिंह और सचिन समेत चार किया तो आरोपियों ने तमंचा दिखाकर धमकी दी। पुलिस ने राहुल और अरुण को लेकिन युवती ने कोर्ट में बयान दर्ज कराकर दोनों के नाम निकालने पर आपत्ति दर्ज केस में शामिल हो गए। जिसके बाद न्यायालय ने भूदेव को पेश होने के लिए कोर्ट खिलाफ दो बार वारंट जारी किए। प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी ने लाकर दिया जहर, प्रेमिका ने खाया... मरने से पहले महिला बोली- पति की जान लेने के लिए आया था विष

महिला की मौत के बाद उसके पति ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसकी 30 वर्षीय पत्नी और गांव के ही शादीशुदा युवक के साथ प्रेम संबंध थे, जिसके चलते युवक लगातार महिला पर शादी का दबाव बना रहा था।अमरोहा के सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव में प्रेम संबंध का अंत महिला ने अपनी जान देकर कर दिया। महिला ने मरने से पहले वीडियो में कहा कि प्रेमी उसे ब्लैकमेल करता था, धमकता था, पति को जान से मारने की बात करता था और शादी करने की बात करता था। पति को रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी ने उसे जहर लाकर दिया था। जिससे परेशान होकर जहरीला पदार्थ खाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।महिला की मौत के बाद उसके पति ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसकी 30 वर्षीय पत्नी और गांव के ही शादीशुदा युवक के साथ प्रेम संबंध थे, जिसके चलते युवक लगातार महिला पर शादी का दबाव बना रहा था और उसे ब्लैकमेल कर धमकियां दे रहा था। बताया कि आरोपी ने उसकी पत्नी को जहरीला पदार्थ लाकर दिया था। आरोप है कि दबाव और धमकियों से तंग आकर पत्नी ने 18 नवंबर को सुबह करीब 10 बजे जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजनों को जानकारी होने पर उसे गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो दिन तक चले उपचार के बाद बृहस्पतिवार की शाम करीब 7-30 बजे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना अध्यक्ष विकास सहरावत का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

जेल से पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने प्रॉपर्टी डीलर से मांगी रंगदारी, पीड़ित बोला- उसके चक्कर हुआ बर्बाद

बलरामपुर जेल में बंद पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक पर प्रॉपर्टी डीलर चेतेंद्र उर्फ चेतन चौधरी से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। चेतेंद्र ने मझोला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।बलरामपुर जेल में बंद पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक ने प्रॉपर्टी डीलर से पांच लाख रुपये रंगदारी मांगी है। यह रकम डाक से चिट्ठी भेजकर मांगी गई है। आरोप है कि रकम न देने पर ललित कौशिक ने अपने गुर्गों से हत्या करने की धमकी दी है।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है जिसमें ललित कौशिक के साथी कमलवीर को भी आरोपी बनाया है। मझोला के शांति नगर निवासी चेतेंद्र उर्फ चेतन चौधरी ने मझोला थाने में ललित कौशिक और कमलवीर के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि बिलारी के मोहल्ला पश्चिमी शाहबाद रोड स्थित बिक चुके घर पर 14 नवंबर को डाक से एक चिट्ठी आई।इस घर के दूसरे हिस्से में उनके भाई रहते हैं। चिट्ठी पढ़कर वह दंग रह गए जिसमें ललित कौशिक ने उनसे पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। चेतेंद्र का कहना है कि वह ललित कौशिक की वजह से छह माह जेल में रहा। जब भी वह तारीख पर गया उसने ललित कौशिक को बीस हजार रुपये दिए। उनका कहना है कि खुशवंत उर्फ भीम को भी हर माह दस हजार रुपये देता था। एक तारीख पर ललित कौशिक और कमलवीर एक साथ मिले। तब ललित कौशिक ने उससे बीस हजार रुपये कमलवीर को दिलवाए। इस दौरान यह भी कहा कि अगली तारीख पर 50 हजार रुपये दे देना। पीड़ित बोला, हो चुका है बर्बाद - चेतेंद्र ने कहा कि वह बर्बाद हो गया है अब उसके पास रुपये नहीं है तो उन्होंने धमकी देकर शांत कर दिया। पीड़ित का कहना है कि उसका मकान भी बिक गया है। अब फिर से उससे रुपये मांगे जा रहे हैं। उन्होंने धमकी दी है कि अगर पांच लाख रुपये नहीं दिए तो हमारे कुछ लोग जेल से बाहर हैं। उनके जरिए ही हत्या करा दी जाएगी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

KTUN NA LEXHUN

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

की आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .

उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली

,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान

आदि सभी राज्यों से रियोर्ट,जिला

ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करें-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सुभाषनगर में युवक ने फंदा लगाकर दी जान बग्गा कॉलोनी में बुजुर्ग ने की आत्महत्या

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह उसका शव मकान के कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को नीचे उतारा और छानबीन के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने आत्महत्या का कारण पहली पत्नी से विवाद होना बताया। हालांकि अभी पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी है। पुलिस के मुताबिक सुभाषनगर थाना क्षेत्र की प्रजापति कॉलोनी निवासी अमन (27 साल) का शव शुक्रवार सुबह कमरे में खिड़की की सरिया के सहारे फंदे से लटका मिला। उसके परिजनों ने बताया कि साल 2021 में अमन की शादी काजल नाम की युवती के साथ हुई थी। शादी के बाद पति-पत्नी में विवाद होने लगा। इसके चलते काजल उसे छोड़कर अलग रहने लगी। इस बीच अमन ने अलीगढ़ के माणिकचौक निवासी मुस्कान से वर्ष 2022 में दूसरी शादी कर ली थी। परिजनों का आरोप है कि पहली पत्नी काजल समझौते के नाम पर उससे रुपये मांग रही थी, जिससे अमन परेशान था। इसी के चलते अमन ने बृहस्पतिवार रात में किसी समय फंदा लगाकर जान दे दी। हालांकि परिजन की ओर से कोई शिकायती पत्र अभी नहीं दिया गया है। बग्गा कॉलोनी ने बुजुर्ग में दी जान सुभाषनगर क्षेत्र में ही बग्गा कॉलोनी निवासी बुजुर्ग अजयपाल (62) ने आत्महत्या कर ली। मृतक के भतीजे ने पुलिस को सूचना दी। बताया कि उसके चाचा अजयपाल अपने मकान में अकेले रहते थे। उन्होंने बृहस्पतिवार रात में खिड़की के पर्दे को छत के कुंडे में बांधकर लटककर जान दे दी। अजयपाल के पुत्र ब्रजेश सिंह गुजरात के सूरत में रहते हैं। उन्हें सूचित किया गया है। पुलिस ने मृतक के भाई एवं भतीजे की मौजूदगी में शव का पंचातनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

युवाओं के लिए खुशखबरी सीएम योगी के आदेश पर बरेली बनेगा एम्प्लॉयमेंट जोन, बढ़ेंगे नौकरी के अवसर
क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली शहर के युवाओं को रोजगार देने के लिए बरेली डीएम को निर्देश कर 100 एकड़ जमीन पर ‘इंडस्ट्रियल हब’ बनाने की पहल शुरू कर दी है।

गणतंत्र दिवस परेड में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के छात्र उज्ज्वल तिवारी का परेड में हुआ चयन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।आगामी गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर होने वाली परेड में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के छात्र उज्ज्वल तिवारी का चयन किया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पूजा अग्रवाल ने बताया कि उक्त छात्र का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में हुआ था। जिसकी प्रशिक्षण प्राप्त कर उक्त छात्र ने अपनी जगह गणतंत्र दिवस परेड में बनाई। वहीं महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयं सेविका मोहिनी सिंह का चयन साहसिक शिविर दल में हुआ था। जिसके अन्तर्गत मोहिनी सिंह को अटल बिहारी बाजपेई पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान धर्मशाला केन्द्र, हिमाचल प्रदेश में पर्वतारोहण एवं अन्य साहसिक कार्यों का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि.), बरेली के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल एवं कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों ने छात्रों की इस सफलता पर शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने दोनों छात्रों को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शादी समारोह के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर मैरिज गार्डन एवं डीजे संचालकों की बैठक , आवश्यक निर्देश जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी: आगामी दिनों में प्रारम्भ होने वाले शादी-विवाह के सीजन को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से शिवपुरी पुलिस द्वारा मैरिज गार्डन डीजे संचालकों की आयोजित की गई। यातायात परिसर में जिसमें पुलिस जाम की समस्या से महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश संचालन पुलिस शिवपुरी श्री अमन सिंह निर्देशन तथा अतिरिक्त अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक में तहसीलदार श्री सिद्धार्थ भूषण शर्मा, थाना प्रभारी यातायात श्री रणवीर सिंह यादव, थाना प्रभारी देहात श्री जितेन्द्र मावई, सूबेदार प्रियंका घोष एवं उप निरीक्षक मुरारी लाल उपस्थित रहे। मैरिज गार्डन एवं होटल संचालकों के लिए निर्देश . उचित पार्किंग व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। शादी में आने वाले वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े किए जाएं। गार्डन एवं होटलों के सामने मुख्य सड़क पर पार्किंग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। प्रत्येक मैरिज गार्डन/होटल के मुख्य गेट पर 04 निजी गार्ड तैनात किए जाएं, जो वाहनों को पार्किंग तक ले जाएं। बारात उठने का स्थान सड़क से पर्याप्त दूरी पर तय किया जाए। डीजे संचालकों हेतु दिशा-निर्देश डीजे का आकार सीमित रखा जाए।ध्वनि स्तर निर्धारित मानक अनुसार ही रखा जाए। रात्रि 10 बजे के बाद डीजे संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। बारात के दौरान सड़क के बीच में डीजे सिस्टम संचालित न किया जाए।कोलाहल अधिनियम के नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करें। बैठक में शामिल सभी मैरिज गार्डन, होटल एवं डीजे संचालकों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग करने एवं जारी निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया।

डीएम ने जिला स्तरीय समन्वय समिति/जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनांतर्गत विभाग द्वारा प्रेषित पत्रावलियों के सापेक्ष ऋण वितरण कराने के दिए निर्देश बरेली, 21 नवम्बर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति/ जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक कलेक्टरेट स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन बैंकों का सीडी रेश्यो 60 प्रतिशत से कम है वह अपना सीडी रेश्यो बढ़ाएं। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने के लिये जीडीपी को बढ़ाने के लिये हम सभी को योगदान देना होगा, जिसमें बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंक ऋण देंगे तभी लोग स्वरोजगार को अपनाएंगें। स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण प्रदान करने में प्राथमिकता दें। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत भी विभाग द्वारा प्रेषित पत्रावलियों के सापेक्ष ऋण वितरण कराने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि विगत बैठक में जो लक्ष्य निर्धारित किये गए थे यदि उन लक्ष्यों को भी प्राप्त नहीं कर पा रहें है तो यह गलत बात है। यदि कहीं 45 दिन से ज्यादा दिन तक पत्रावली लम्बित है तो रिजर्व बैंक व एलडीएम द्वारा कार्यवाही की जाएगी। बैठक में लीड बैंक अधिकारी ने द-चंद्रहडुठ ह्रथडुद्ध ह्र्दस्रद्ध के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक डिजिटल प्लेटफार्म है जो कृषि उपज क्र भंडारण, ट्रेकिंग और वित्तीय लेन –देन को एकीकृत करता है। इलेक्ट्रानिक नेगोशियेबल वेयर हाउस रिसीट एक डिजिटल दस्तावेज है जो किसान द्वारा वेयर हाउस में जमा कि गयी उपज का प्रमाण देता है। इसी प्रकार क्रेडिट गारंटी योजना आधारित गिरवी वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा 16 दिसम्बर 2024 से शुरू कि गयी है, यह तीन पहल कृषि क्षेत्र में डिजिटलीकरण, वित्तीय समावेशन ओर भंडारण आधारित मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देते है। बैठक में अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री जनधन योजनान्तर्गत अब तक 2543391 खाते खोले गए। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनान्तर्गत 297170 लोगों का नामांकन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनान्तर्गत 1288863 लोगों का नामांकन, अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत 247762 लाभार्थियों का नामांकन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक संख्या में क्लेम दिए जाने के निर्देश दिए गए। जिला कृषि अधिकारी को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में लीड बैंक मैनेजर वीके अरोड़ा, उपायुक्त उद्योग, डीसी ग्रामीण आजीविका मिशन, रिजर्व बैंक से संदीप मिश्रा, नाबार्ड के प्रतिनिधि सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधवा पेंशन लेने वाली सुहागिनों पर अब होगी पुलिस की कार्रवाई,डीएम ने एसएसपी को सौंपी रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आंवला तहसील क्षेत्र में विधवा पेंशन योजना में हुए घोटाले की जांच रिपोर्ट डीएम ने एसएसपी को भेज दी है। उन्होंने पुलिस से ही एसआईटी गठित कर मामले की विस्तृत जांच कर कार्रवाई के लिए कहा है। पांच महीने तक जांच करने के बाद एसडीएम ने पिछले सप्ताह रिपोर्ट डीएम को भेजी थी। डीएम ने इसमें कई तथ्य अधूरे मानते हुए पुलिस से जांच कराने का फैसला किया है। गिरफ्तार भी किया था। इसके बाद जिला प्रशासन भी हरकत में आया और मई से एसडीएम आंवला के पास लंबित जांच रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। पिछले सप्ताह एसडीएम विदुषी सिंह ने डीएम को जांच रिपोर्ट दी। अब डीएम ने विस्तृत जांच के लिए रिपोर्ट एसएसपी को भेजी है। एसडीएम के मुताबिक, उन्हें सत्यापनकर्ताओं के नाम पता नहीं चल सके हैं। इसके लिए उन्होंने बीडीओ और जिला प्रोबेशन अधिकारी से पत्राचार भी किया, लेकिन उनकी तरफ से कोई सहयोग नहीं मिला। हालांकि, जिन बिचौलियों ने सुहागिनों के पति के नाम का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाया, उनके नाम उन्हें मिले हैं। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट एसएसपी को भेजकर एसआईटी गठित कर विस्तृत जांच के लिए कहा है। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि कमिश्नर के निर्देश पर विधवा पेंशन के एक मामले की जांच और कार्रवाई एसपी दक्षिणी ने की है। उसी क्रम में एसएसपी को पत्र लिखकर एसडीएम आंवला की रिपोर्ट पर एसआईटी गठित कर विस्तृत जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

यू-डायस और बोर्ड परिणाम में बड़ा फर्क : वेदी इंटर नेशनल स्कूल पर लापरवाही का आरोप

डीआईओएस ने 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पीलीभीत बाईपास रोड स्थित वेदी इंटर नेशनल स्कूल पर छात्र के शैक्षणिक रिकॉर्ड में गंभीर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आज़ाद नगर कॉलोनी कटरा चांद खाँ निवासी सौरभ गुप्ता ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को दी शिकायत में कहा है कि उनके पुत्र देव गुप्ता के परिणाम को लेकर स्कूल की लापरवाही ने उसका पूरा साल खराब कर दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार देव गुप्ता ने सत्र 2025–26 में इण्टरमीडिएट की परीक्षा दी थी। सीबीएसई बोर्ड की मार्कशीट में छात्र फेल बताया गया है। कम्पार्टमेंट परीक्षा में भी सफलता न मिलने के बाद अभिभावक ने बच्चे का एडमिशन दूसरे स्कूल में कराना चाहा। लेकिन जब विद्यालय ने छात्र का विवरण यू-डायस पोर्टल से मिलान किया तो वहां उसी छात्र को पास दिखाया गया, जबकि बोर्ड परिणाम इसके ठीक उलट है। अभिभावक का कहना है कि बोर्ड और सरकारी पोर्टल के रिकॉर्ड में यह बड़ी विसंगति न केवल नियमों के खिलाफ है बल्कि उनके बच्चे का एडमिशन भी नहीं हो पाया, जिससे उसका पूरा शैक्षणिक वर्ष नष्ट हो गया। उन्होंने इसकी विस्तृत जांच की मांग की है। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार ने विद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। डीआईओएस ने आदेश में कहा है कि शिकायतकर्ता के पत्र की प्रति संलग्न कर प्रेषित की जाती है। प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए विस्तृत आख्या 07 दिवस के भीतर इस कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में गलत डेटा अपलोड या अन्य लापरवाही सिद्ध हुई तो विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभिभावक का आरोप है कि स्कूल की गलती से बच्चे का भविष्य दांव पर लग गया है। बोर्ड फेल बता रहा है और यू-डायस पर पास, यह कैसे संभव है? इस मामले ने जिले में शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता और सरकारी पोर्टल की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यातायात माह के अन्तर्गत थाना हुजूरपुर पुलिस द्वारा चलाया गया जागरुकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी/ यातायात माह नवम्बर 2025 के अंतर्गत चौधरी आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज,चिरैयाटांड, जनपद बहराइच में छात्राओं को मिशन सुरक्षा तथा साइबर जागरूक करने हेतु थाना टीम प्र0नि0 शमशेर उ0नि0 रोशनी वर्मा, म0हो0 रेखा देवी, का0 जयराम, का0 कुलदीप द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा से जुड़े प्रावधान, सड़क सुरक्षा नियम, हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, सुरक्षित ड्राइविंग के तरीके तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की; कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया । महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उपस्थित बालिकाओं से संवाद स्थापित किया गया। महिला संबंधी अपराधों की रिपोर्टिंग हेतु आवश्यक टोल-फ्री नंबर के उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए – 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। मुरादाबाद थाना क्षेत्र डिलारी के गाँव इग्राह सहसपुरी मार्ग पर सड़क दुर्घटना में युवक की मौत से जानकारी के अनुसार अजित कुमार पुत्र सोमपाल सिंह उम्र लगभग 23 साल सुल्तानपुर जा रहा था. कि सी काम से अज्ञात वाहन से टकरा गया जिसके कारण उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी. जैसे ही परिवार को घटना की सूचना मिली तो परिजन तुरंत घटना स्थल पर पहुंच घटना स्थल पर जाकर देखा तो अजित कुमार के सिर में चोट आयी और मृत अवस्था में पड़ा हुआ था घटना की सूचना तुरन्त पुलिस को दी गई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

समस्त चौकी इंचार्जों के सात जीआरपी लाइन मुरादाबाद मे गोष्ठी का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / यूसुफ / पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष शुक्ला द्वारा जी आ र पी अ नु भ ा ग मुरादाबाद के समस्त चौकी इंचार्जों के साथ जीआरपी लाइन मुरादाबाद में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में दिनांक-15.11.2025 से 25.11.2025 चलाये जा रहे अभियान जिसमें समस्त प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्ष अपने चौकी प्रभारी के नेतृत्व में टीम गठित कर ट्रेनों/ स्टेशन परिसर में आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों / संदिग्धों की चेकिंग, गिरफ्तारी व जमानत पर बाहर आये सक्रिय अपराधियों का सत्यापन, वांछित/ पुरस्कार घोषित अपराधी, हिस्ट्रीशीटर, मफरूर आदि अपराधियों की निगरानी आदि के सम्बन्ध में दर्शित बिंदुओं पर कृत कार्रवाई के सम्बन्ध में जानकारी की गयी। गोष्ठी के दौरान सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही करने एवं अपराध नियंत्रण, विवेचना निस्तारण आदि के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान के तहत 4 करोड़ 56 लाख रुपये के दावों का प्रस्तुतिकरण
क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी- भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश में जिला अग्रणी बैंक शिवपुरी द्वारा शुक्रवार को गांधी पार्क स्थित कम्युनिटी हॉल में जागरूकता एवं समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ऐसे बैंक खाते जिनमें पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से कोई लेन-देन नहीं हुआ है, उनके संबंध में विभिन्न बैंकों की शाखाओं द्वारा कुल 4 करोड़ 56 लाख रुपये के दावे प्रस्तुत किए गए। शिविर में उपस्थित बैंक अधिकारियों ने दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, उद्गम पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाओं तथा वित्तीय साक्षरता के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि निष्क्रिय खातों से संबंधित राशि अब सुरक्षित रूप से सिस्टम में संरक्षित है तथा योग्य दावा धारक उचित दस्तावेजों के आधार पर अपने अधिकार का भुगतान प्राप्त कर सकते हैं।कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के एजीएम श्री ज्योति रंजन, मुख्य प्रबंधक (एसबीआई) श्री उमेश श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर.के. वर्मा, डूड्डा के जिला अधिकारी श्री सौरभ गोड, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री ईशांक थाकड़, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक शिवपुरी श्री के.के. सिंह, विभिन्न बैंकों एवं बीमा कंपनियों के प्रबंधक तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने पुराने, निष्क्रिय या भूले गए खातों की जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक दावे समय पर प्रस्तुत करें, ताकि उनकी पूंजी सुरक्षित रूप से वापस उनके पास पहुंच सके।

आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान के तहत 4 करोड़ 56 लाख रुपये के दावों का प्रस्तुतिकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी- भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश में जिला अग्रणी बैंक शिवपुरी द्वारा शुक्रवार को गांधी पार्क स्थित कम्युनिटी हॉल में जागरूकता एवं समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ऐसे बैंक खाते जिनमें पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से कोई लेन-देन नहीं हुआ है, उनके संबंध में विभिन्न बैंकों की शाखाओं द्वारा कुल 4 करोड़ 56 लाख रुपये के दावे प्रस्तुत किए गए। शिविर में उपस्थित बैंक अधिकारियों ने दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, उद्गम पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाओं तथा वित्तीय साक्षरता के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि निष्क्रिय खातों से संबंधित राशि अब सुरक्षित रूप से सिस्टम में संरक्षित है तथा योग्य दावा धारक उचित दस्तावेजों के आधार पर अपने अधिकार का भुगतान प्राप्त कर सकते हैं।कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के एजीएम श्री ज्योति रंजन, मुख्य प्रबंधक (एसबीआई) श्री उमेश श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर.के. वर्मा, डूड्डा के जिला अधिकारी श्री सौरभ गोड, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री ईशांक थाकड़, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक शिवपुरी श्री के.के. सिंह, विभिन्न बैंकों एवं बीमा कंपनियों के प्रबंधक तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने पुराने, निष्क्रिय या भूले गए खातों की जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक दावे समय पर प्रस्तुत करें, ताकि उनकी पूंजी सुरक्षित रूप से वापस उनके पास पहुंच सके।

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी- भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश में जिला अग्रणी बैंक शिवपुरी द्वारा शुक्रवार को गांधी पार्क स्थित कम्युनिटी हॉल में जागरूकता एवं समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ऐसे बैंक खाते जिनमें पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से कोई लेन-देन नहीं हुआ है, उनके संबंध में विभिन्न बैंकों की शाखाओं द्वारा कुल 4 करोड़ 56 लाख रुपये के दावे प्रस्तुत किए गए। शिविर में उपस्थित बैंक अधिकारियों ने दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, उद्गम पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाओं तथा वित्तीय साक्षरता के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि निष्क्रिय खातों से संबंधित राशि अब सुरक्षित रूप से सिस्टम में संरक्षित है तथा योग्य दावा धारक उचित दस्तावेजों के आधार पर अपने अधिकार का भुगतान प्राप्त कर सकते हैं।कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के एजीएम श्री ज्योति रंजन, मुख्य प्रबंधक (एसबीआई) श्री उमेश श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर.के. वर्मा, डूड्डा के जिला अधिकारी श्री सौरभ गोड, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री ईशांक थाकड़, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक शिवपुरी श्री के.के. सिंह, विभिन्न बैंकों एवं बीमा कंपनियों के प्रबंधक तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने पुराने, निष्क्रिय या भूले गए खातों की जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक दावे समय पर प्रस्तुत करें, ताकि उनकी पूंजी सुरक्षित रूप से वापस उनके पास पहुंच सके।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए 9027776991 knslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

डा संजीव निरंजन ने पार्टी नेताओं का स्वागत किया

यू नू लख्यूँ सच / अरविंद कुमार / सोशल मीडिया से प्राप्त शिकायत मोह जुलाई 2025 में अमरिया की ग्राम पंचायत अमखिडिया में 28 और 26 जून 2025 के मनरेगा के दो कार्य, रोड से शराफत के खेत तक चक मार्ग पर मिट्टी कार्य एवं जाहिद के खेत से मरघट तक चक मार्ग पर मिट्टी कार्य पर 28 जून 2025 के मास्टर रोल संख्या 2698, 2697, 2696, 2695, 2694, 2693 एवं 26 जून 2025 के मास्टर रोल संख्या 2629, 2630, 2631, 2693, 2694, 2695, 2696, 2697, 2698, जारी कर मनरेगा श्रमिकों की फर्जी हाजिरी अपलोड कर 30336 रुपए सरकारी धन का गवन किया गया। वही वर्तमान में दो श्री क्रमशः 4880 और 4881 जारी किए गए हैं। जिसमें भी प्रतिदिन फर्जी दिहाड़ियां पर कार्य कर रहे हैं और जिसमें भी चक मार्ग के दोनों तरफ से मिट्टी नहीं उठाई जा रही है तकनीकी सहायक से बराबर बराबर मात्रा में वसूल करने के आदेश जारी किए गए। साथ ही सक्सेना सहित ग्राम पंचायत स्तर के मनरेगा कर्मियों ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, ग्राम दिया गया। साथ ही पंचायत सहायक पर विधिक कार्यवाही करने के भी आदेश किए गए हैं। आख्या प्राप्त नहीं कराई गई। जांच आख्या प्राप्त न होने के बाद तीन रिमांडर के बाद भी जांच एक नवंबर 2025 को जांच रिपोर्ट मुहैया कराई गई। बताया गया कि यह कूटरचित थी। यह भी अवगत करा दें कि यह वह जांच रिपोर्ट थी, जिसको डीएम ने संज्ञान लेकर उक्त की जांच कराई थी। लोकपाल मनरेगा ने उक्त जांच रिपोर्ट को भ्रामक व कूटरचित मानकर मनरेगा कर्मियों को फर्जी एनएमएमएस मामले में अपनी बात कार्यालय पर उपस्थित होकर रखने का निर्देश कार्यक्रम अधिकारी अमरिया को दिया था। इसके बाद लोकपाल मनरेगा में सोशल मीडिया से प्राप्त उक्त शिकायत पर 30336 रुपए की वसूली का आदेश के साथ सभी 6 मनरेगा कर्मियों को एक-एक हजार रुपये से दंडित किए जाने के संस्तुति के साथ ग्राम पंचायत सहायक विधिक कार्यवाही किए जाने का आदेश जिला कार्यक्रम समन्वयक को भेज दिया। इसकी प्रतिलिपि डिप्टी डायरेक्टर मनरेगा डिवीजन, भारत सरकार ग्राम विकास आयुक्त उत्तर प्रदेश एवं मुख्य सचिव उप्र को भेजी है। तत्कालीन अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी शुभम सक्सेना, ग्राम प्रधान शबाना परवीन, ग्राम पंचायत सचिव सचिन कुमार, तकनीकी सहायक मनीष कुमार, पंचायत सहायक उमेश कुमार हैं। मस्टर रोल में महिला श्रमिक नियोजित दर्शाया गई, लेकिन कोई भी महिला श्रमिक कार्य करने नहीं पहुंची। एनएमएमएस मस्टर रोल में किसी भी महिला श्रमिक का फोटो नहीं है। 18 मास्टर रोल के द्वारा लगभग 67 महिला श्रमिकों का मजदूरी भुगतान बिना कार्य के उनके बचत खातों में भेजा गया। इसकी रिकवरी करते हुए कुल वसूली धनराशि 30336 रुपए होती है। मनरेगा के लोकपाल ने बताया कि अर्थदंड की वसूली के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार हत्याकांड में किसी परिचित या किसी अन्य संदिग्ध की भूमिका की जांच की जा रही है। एएसपी श्याम कांत ने कहा कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है सिद्धार्थनगर जिले के बांसी कोतवाली क्षेत्र से तीनों साल बेटे के साथ घर से निकली 30 वर्षीय महिला की गल्ला रेतकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार सुबह करीब 11 बजे रूथौली नगर पंचायत के कामता प्रसाद नगर वार्ड स्थित लक्ष्मी देवी कन्या इंटर कॉलेज के बगल स्थित बगीचे में उसका शव-विक्षत शव मिला। चेहरे, गले और पेट में गहरे घाव देखकर अंदेशा है कि हमलावरों ने क्रूरता के साथ इस वारदात को अंजाम दिया है। शव के पास से मिले आधार कार्ड के आधार पर महिला की पहचान प्रीति (30) पत्नी बाबूलाल, निवासी ईंदरानगर वार्ड, गंगोली, बांसी कोतवाली, सिद्धार्थनगर के रूप में हुई। घटनास्थल पर शराब व पानी की बोतलें, नमकीन के पैकेट मिलने से पुलिस हत्या से पहले किसी प्रकार की गतिविधि या साजिश की आशंका की भी जांच कर रही है। साथ ही मृतका का मामासूप बेटा दिलखुश वहीं पास में लावारिस अवस्था में मिला, जिसे पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया है। मृतका के पति बाबूलाल मिठाई बनाने के कारीगर हैं। उनके तीन बच्चे दीपिका (7), किशन (5) और दिलखुश (3) हैं। बाबूलाल ने बताया कि वह बुधवार को काम पर गया था। उसी दिन दोपहर बाद करीब तीन बजे प्रीति बिना कुछ बताए छोटे बेटे को लेकर घर से निकल गई। शाम तक न लौटने पर परिवार के लोग चिंतित हुए। रात आठ बजे बाबूलाल को उसकी मां ज्ञानमती ने फोन कर बताया कि वह और बच्चा अब तक घर नहीं लौटे। परिवार ने रातभर और सुबह खोजबीन की, लेकिन प्रीति का कोई पता नहीं चला। इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी गई थी। इसी बीच बृहस्पतिवार की सुबह करीब 11 बजे बगीचे में महिला का शव मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची और पहचान की प्रक्रिया के बाद परिजनों को बुलाया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार हत्याकांड में किसी परिचित या किसी अन्य संदिग्ध की भूमिका की जांच की जा रही है। एएसपी श्याम कांत ने कहा कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है और जल्द ही हत्या की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। बताया जा रहा है कि महिला का मायका शोहरतगढ़ के गडकुल मोहल्ले में है। रात में लावारिस मिला था बेटा- प्रीति के साथ घर से निकला दिलखुश बुधवार को ही रात नौ बजे घटना स्थल से करीब सौ मीटर दूर लावारिस हालत में एक राहगीर को मिला था। पूछने पर वह अपने बारे में कुछ नहीं बता पा रहा था। काफी प्रयास के बावजूद पुलिस उसकी पहचान नहीं कर पाई। पहले तो पुलिस बालक को थाने में रखना भी नहीं चाहती थी, बाद में काफी दबाव पर रखने को तैयार हुई। बृहस्पतिवार को बाग में महिला का शव मिलने के बाद परिवार के लोग पहुंचे तो बाबूलाल ने उसकी अपने बेटे के रूप में पहचान की। बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है, लेकिन अहतितायतन उसको सीएचसी में भर्ती कराया गया है। लापरवाही पर रूथौली थानाध्यक्ष तलब-लावारिस बालक मिलने के मामले में रूथौली पुलिस की लापरवाही सामने आई है। थाने में रखने की जगह न होने का हवाला देकर लौटा दिया गया। सूचना पर सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष प्रेरक मिश्रा ने स्वतः संज्ञान लेते हुए थानाध्यक्ष और बाल कल्याण अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है। अध्यक्ष प्रेरक मिश्रा ने कहा कि बच्चे को सुरक्षित प्रस्तुत कर मेडिकल व संरक्षण प्रक्रिया जरूरी है। लापरवाही को शिशु के हितों के खिलाफ बताते हुए चेतावनी दी कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्रवाई होगी।

Change: Cough and fever will also be considered infection and monitored; ICMR has formulated an epidemic control policy.

ICMR has launched a new syndromic surveillance system; fever, cough, and other symptoms will issue national health alerts for early disease detection. Confirmation of an epidemic infection in an area will no longer be as fever, cough, vomiting, and diarrhea surveillance system will consider it a national health alert. The new system, developed by the Indian Council of guidance and shared with the states. ICMR claims that early signs of spread of an infection, thereby information on infection spread has several days, and by then, the disease symptoms, doctors will immediately system. To analyze this data, a separate scans data patterns, and if unusual state will be alerted. According to the pandemic have taught us that data is the invisible beginnings of disease. What uses symptoms as a signal to predict in fever cases occurs in a city, town, or infection like influenza or dengue. may indicate viral diarrhea, and severe symptoms, could be signs of villages to Delhi: A top central surveillance has been designed to integrate all medical institutions, including primary health centers, sub-centers, district hospitals, and medical colleges. If a sudden increase in fever cases occurs in any village, an alert will be sent directly to the state and central government.



required. If even common symptoms such suddenly increase in an area, the central potential infection cluster and issue a called syndromic surveillance, was Medical Research (ICMR) under central The 20-page technical draft released by infection will be identified before the preventing a major epidemic. Currently, relied on laboratory testing, which takes has spread. However, now, after identifying send the data to the central surveillance AI algorithm has been developed that trends are detected, both the district and ICMR, disasters like the COVID-19 the most powerful tool, capable of detecting is syndromic surveillance? This system disease. For example, if a sudden increase village, it could be considered a sign of an Similarly, cases of diarrhea or vomiting headaches, along with neurological encephalitis. Real-time monitoring from government official stated that syndromic

If you want a unique blouse, take tips from Rakul Preet Singh.

If you like to look both beautiful and glamorous, add blouses like Rakul Preet Singh's to your collection. A saree or lehenga look is considered complete and perfect only when the blouse is perfectly matched. Women perfect blouse. If you too want made for yourself, take a look an actress who always makes her beautiful blouses. a fashion inspiration for every photoshoots are trending on at a party, wedding, or festive adopting Rakul Preet's blouse twist to your traditional outfit. latest blouse designs. First don't like sleeveless or deep- this, you'll need to show this sequin-worked net up to the Second Design: This blouse mirror-worked fabric to create simple and affordable saree. If can opt for half-sleeves instead type of design is quite popular called a halter neck. Pairing a the look. It can also be worn the look of the lehenga. Fourth blouse will also help in enhancing your beauty. Sequin work is quite in trend these days. Apart from saree, you can also carry this type of blouse with lehenga. If you get its front design made with sweetheart neckline, it will look even more amazing. Fifth design- This design, famous among Gen G girls, is called corset style blouse. Generally, only tops are available on corset pattern, but have you ever carried it with saree or lehenga? If not, then try it once. Corset style blouse will enhance your beauty.



often look to Bollywood actresses to find the to get the most beautiful and lovely blouse at Rakul Preet's look. Indeed, Rakul Preet is her saree and lehenga looks stand out with Nowadays, her designer blouses have become girl. The blouse designs seen in Rakul's latest social media. If you also want to look stylish occasion, you can enhance your look by ideas. Each of their blouses adds a glamorous So, without further ado, let's show you the Design: This design is perfect for women who necked blouses but want a different style. For design to your tailor. This design will use only neckline. The sleeves will also be made of net. design is quite trendy these days. You'll need this design. This blouse will enhance your you're not comfortable with this design, you of a full sleeveless blouse. Third Design: This among Gen Z girls these days. This design is simple saree with a halter neck design adds to with lehenga, because it completely changes design- This design of sequin fabric in the

Is yellowing of the eyes a sign of jaundice? Learn about the early symptoms of this disease.

Jaundice is a very serious and life-threatening disease, but if identified early, it can be cured with proper treatment. One of the early symptoms of this disease is yellowing of the eyes. Let's explore its symptoms in detail in problem in which the skin and This yellowness is caused by bilirubin in the blood. Bilirubin is normally processed by the liver liver is not functioning properly, down rapidly, bilirubin levels children and adults and is often an diseases. Therefore, if someone's should be sought immediately, as and Major Symptoms of Jaundice is yellowing of the eyes, other or orange skin, very dark urine like) stools. Patients may also under the skin. Common flu-like pain, may also appear at the onset Jaundice can also cause digestive experience persistent nausea, the upper right part of the symptom. If jaundice is caused by may be severe, requiring immediate treatment. The relationship between vitamin B12 deficiency and jaundice: Some types of jaundice can be triggered by a severe vitamin B12 deficiency, which causes pernicious anemia. In this condition, red blood cells become abnormally large and break down quickly, leading to elevated bilirubin levels. It's important to note that vitamin B12 deficiency can cause jaundice, but taking vitamin B12 supplements alone cannot cure or prevent it. For proper treatment of jaundice, appropriate medical treatment of the underlying cause (such as viral hepatitis, obstruction, or anemia) must be sought by a doctor. When to consult a doctor? If you notice yellowing of your eyes or skin, unusually dark urine, or unexplained itching, consult a doctor immediately. Liver function tests and other blood tests are essential to determine the cause of jaundice. By detecting the cause at the right time, serious problems like hepatitis, liver cirrhosis, or blockage in the bile duct can be controlled. Note: This article has been prepared based on information collected from medical reports.



this article. Jaundice is a symptom of a serious health whites of the eyes turn yellow. It's known as jaundice. excessive accumulation of a yellow pigment called formed by the breakdown of red blood cells and is and excreted from the body through bile. When the the bile ducts become blocked, or red blood cells break increase, leading to jaundice. Jaundice can affect both early sign of hepatitis, gallstones, or other serious liver eyes or skin begin to turn yellow, medical advice this could be a sign of a serious liver problem. Early - While the most obvious early symptom of jaundice symptoms may also appear. These include dark yellow (like the color of unsweetened tea), and light (clay- experience intense itching as bilirubin accumulates symptoms, such as mild fever, fatigue, and abdominal of jaundice. Other Liver and Digestive Symptoms - problems due to the strain on the liver. Patients may vomiting, and loss of appetite. Pain or discomfort in abdomen (where the liver is located) is also a common a blockage in the bile ducts due to gallstones, the pain

Aishwarya Rai Bachchan gets emotional on her father Krishnaraj's birth anniversary, shares unseen photos

Actress Aishwarya Rai Bachchan paid tribute to her father Krishnaraj Rai on his birth anniversary with a post on her social media handle. Bollywood actress Aishwarya Rai Bachchan paid an emotional tribute to her father Krishnaraj Rai on his birth anniversary. To mark the occasion, adorable photos of her father and media handle. Aishwarya shared several old and new photos of her daughter Aaradhya Bachchan is also photos are from Aaradhya's Aishwarya is seen praying with her photo. In one photo, Aaradhya is in captioned the post, "Happy birthday will always love you." Thank you for you have given our Aaradhya on her showered her with love and also paid celebrities, including Mahima Aishwarya's father's death: Krishnaraj Rai, passed away in prolonged illness. Aishwarya loves remembers him every year on his Aishwarya was seen at the centenary Baba: Recently, Aishwarya attended Sathya Sai Baba in Andhra Pradesh. Prime Minister Narendra Modi was also present there. There, she won everyone's heart with her powerful speech on religion, caste, and love. Aishwarya's career: In films, Aishwarya was last seen in Mani Ratnam's Tamil film "Ponniyin Selvan Part 2." For this film, she won the Best Actress (Critics) award at the SIIMA Awards in Dubai.



father Krishnaraj Rai on his birth Aishwarya shared several daughter Aaradhya on her social special photos: Aishwarya shared father on Instagram. Her seen in these photos. Some of the childhood. In these photos, eyes closed near her father's her grandfather's lap. Aishwarya dear Daddy-Ajja... our angel, I the immense love and blessings 14th birthday.' Aishwarya's fans tribute to her father. Many Chaudhary, have commented. Aishwarya Rai's father, Mumbai in 2017 after a her father very much and birth and death anniversaries. celebrations of Sri Sathya Sai the 100th birth anniversary of Sri

Fatima Bosch of Mexico crowned Miss Universe; here are the second and third runners-up.



The winner of Miss Universe 2025 has been announced. This time, Fatima Bosch of Mexico is crowned the new Miss Universe. In this prestigious pageant held in Thailand, Fatima Bosch won the Miss Universe crown among beauties from across the globe. India was eliminated from the top 12. Who were the second and third runners-up in this competition? Find out about these beauties who made it to the top 5. The first runner-up in the Miss Universe 2025 competition was model Praveen Singh from Thailand, who is hosting the event. Venezuelan model Stephanie Abasali was the second runner-up. Atisha Manalo of the Philippines was the third runner-up. The fourth runner-up was a model from Côte d'Ivoire. Model Manika Vishwakarma, a resident of Rajasthan, represented India in this pageant. However, she failed to capture the title. Manika successfully qualified for the top 30, but failed to secure a spot in the top 12.

'The Family Man 3' ends on a positive note; find out how users liked Manoj Bajpayee's show.

Season three of 'The Family Man' has been released. Audiences have given mixed reactions. Let's find out how they liked the series. Season three of the Manoj Bajpayee-starrer web series

'The Family Man' has been released. It will be available to watch on Prime Video from November 21st. This season is special because it stars Jaideep Ahlawat alongside Manoj Bajpayee. Audiences had been eagerly awaiting this show and its story. Finally, their wait is over. Many users have reacted on social media after watching it. The Family Man 3 The Family Man 3 X Review users give mixed reactions on Manoj Season three of the Manoj Bajpayee-starrer web series 'The Family Man' has been released. It will be available to watch on Prime Video from November 21st. This season is special because it stars Jaideep Ahlawat alongside Manoj Bajpayee. Audiences had been eagerly awaiting this show and its story. Finally, their wait is over. After watching it, many users have expressed their reactions on social media. Finally their wait is over. Seeing this, many users have reacted on social media. The series could have been better - One user has called 'The Family Man' season 3 mediocre. He wrote, 'The Family Man season 3 series was good but it could have been even better. This time Shrikant Tiwari played the role of a wanted man but he lagged behind as a family man.' The user called the story old - Another user called the story of the series old. He wrote, 'Raj and DK, what have you done with our favorite web series? You have continued the same story that the Indian government and Indian agencies fight against some Indian-born private organization. Where is the novelty? You disappointed.'

